Roll No. .....
Signature of Invigilator ……

Paper Code
BD-403

पतंजलि विश्वविद्यालय

University of Patanjali

Examination May – 2018

B. A. Philosophy (Semester: Fourth)

संस्कृत

संस्कृत–साहित्य–4

Time: 3 Hours **Max. Marks: 70**

नोट : यह प्रश्नपत्र सत्तर (70) अंकों का है जो तीन (03) खंडों अ, ब, तथा स में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

खण्ड–अ
(दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'अ' में पांच (05) दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न दिए हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पंद्रह अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(3×15=45)**

1. छन्द किसे कहते हैं? सभेद उदाहरण सहित लिखिए।
2. 'बुद्धचरितम्' के चतुर्दश सर्ग का सार लिखिए।
3. 'मुद्राराक्षसम्' के चाणक्य का चरित्र चित्रण करिये।
4. भू, पच् एवं नम् धातुओं के लृट् लकार में रूप लिखें।

   अथवा

   स्मृ, याच् एवं दृश् धातुओं के लोट् लकार में रूप लिखें।
5. पठ्, कृ एवं पा धातुओं के लङ् लकार में रूप लिखें।

   अथवा

   दा, याच् एवं नी धातुओं के लट् लकार में रूप लिखें।

खण्ड–ब
(लघु–उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ब' में छः (06) लघु–उत्तरीय प्रश्न दिए गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पांच अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(4×5=20)**

1. संक्षेप में बुद्धचरितम् के लेखक की काव्य–प्रतिभा का मूल्यांकन कीजिए।
2. संक्षेप में – संस्कृत साहित्य में 'मुद्राराक्षस' ग्रन्थ का स्थान निर्धारित कीजिए।

   अथवा

   मुद्राराक्षस के द्वितीय अंक का सार लिखें।
3. सन्दर्भ सहित व्याख्या कीजिए –

   पन्था हि निर्यातुमयं यशस्यो यो वाहितः पूर्वतमैर्नरिन्द्रः।
   जातस्य राजर्षिकुल विशाल भैक्षाकमश्लाघ्यमिदं प्रपर्तुम्।।

   अथवा

   जन्मनः कारणं किं स्यादिति चिन्तापरो मुनिः।
   ततः कर्म भवञ्चैव निदानं दृष्टवानसौ।।

4. सन्दर्भ सहित व्याख्या कीजिए –

पीत्वा निरवशेषं कुसुमरसमात्मनः कुशलतया।
यदुद्गिरति भ्रमरस्तदन्येषा करोति कार्यम्।।

अथवा

जानन्ति तन्त्रयुक्तिं यथास्थितं मण्डलमभिलिखन्ति।
ये मन्त्ररक्षणपरास्ते सर्वनराधिपावुपचरन्ति।।

5. निम्नांकित पंक्ति की व्याख्या करें –

परलोकगतो देवः कृतघ्नैर्नानुगम्यते।

अथवा

एकमपि नीतिबीजं बहुफलतामेति यस्य तव।

6. निम्नांकित पंक्ति की व्याख्या कीजिए –

कर्तुं शमोपदेशं स इयेष मुनिनायकः।

अथवा

तथा विज्ञानरोधे च नामरूपे विनश्यतः।

खण्ड-स
(वस्तुनिष्ठ प्रश्न)

नोट : खण्ड 'स' में दस (10) वस्तुनिष्ठ प्रश्न दिए गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए आधा अंक निर्धारित है। इस खण्ड के **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं। **(10×0.5=05)**

1. 'मुद्राराक्षसम्' नाटक का मुख्य रस कौन-सा है?
(अ) शृंगार रस (ब) शान्त रस
(स) वीर रस (द) वीभत्स रस

2. मुद्राराक्षसम् नाटक में कितने अंक हैं?
(अ) पाँच (ब) बीस
(स) दस (द) सात

3. मुद्राराक्षसम् नाटक का नायक कौन है?
(अ) चन्द्रगुप्त (ब) राक्षस
(स) चन्दनदास (द) चाणक्य

4. 'बुद्धचरितम्' ग्रन्थ की काव्यविधा कौन-सी है?
(अ) महाकाव्य (ब) नाटक
(स) चम्पू (द) आख्यायिका

5. 'बुद्धचरितम्' ग्रन्थ का मुख्य रस कौन-सा है?
(अ) चीर रस (ब) श्रृंगार रस
(स) शान्तरस (द) करुण रस

6. 'बुद्धचरितम्' ग्रन्थ के त्रयोदशसर्ग का प्रतिपाद्य विषय क्या है?
(अ) स्त्रीनिवारण (ब) अभिनिष्क्रमण
(स) तपोवनप्रवेश (द) कामविजय

7. 'बुद्धचरितम्' ग्रन्थ के चतुर्दशसर्ग का प्रतिपाद्य विषय बताएं .....
(अ) अन्तःपुरविलाप (ब) कुमारान्वेषण
(स) बुद्धत्वप्राप्ति (द) बिम्बसारागमन

8. व्याकरण को वेद का कौन-सा अंग कहा गया है?

(अ) मुख (ब) नेत्र

(स) पाद (द) पाणि

9. छन्द को वेद का कौन-सा अंग माना गया है?

(अ) मुख (ब) पाणि

(स) पाद (द) नेत्र

10. 'मुद्राराक्षसम्' ग्रन्थ का प्रतिनायक कौन है?

(अ) चाणक्य (ब) चन्द्रगुप्त

(स) राक्षस (द) चन्दनदास

----------x----------